3. शब्द विचार

मुख से निकली ध्वनियों या वर्णों के सार्थक मेल से जो सार्थक इकाई बनती है, उसे शब्द कहते हैं। शब्द विचार के अंतर्गत शब्दों की उत्पत्ति, प्रकार तथा उनके रूपांतर के बारे में बताया जाता है।

शिक्षण-संकेत

❖ शब्द किसे कहते हैं, छात्रों से जानें। शब्द कैसे बनते हैं, इस बारे में समझाएँ।

❖ वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं जिनका एक निश्चित अर्थ होता है। यह बताएँ।

❖ शब्द और पद का अंतर स्पष्ट करें। वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द उस वाक्य का पद कहलाता है।

❖ शब्दों के भेद का आधार बताएँ। रचना या बनावट के आधार पर, उत्पत्ति के आधार पर, अर्थ के आधार पर, व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर, प्रयोग के आधार पर इन पाँच आधारों पर शब्दों का भेद किया जाता है।

❖ स्रोत या उत्पत्ति के आधार पर शब्द भेद बताते हुए समझाएँ कि बहुत से शब्दों की उत्पत्ति या जन्म अथवा उनका स्रोत अन्य भाषा के शब्द होते हैं अथवा अन्य भाषाओं से भी हिंदी भाषा में कई शब्द प्रयोग में लाए जाते हैं।

❖ तत्सम-तद्भव तथा देशज-विदेशी तथा संकर शब्दों के बारे में बताएँ। संस्कृत के कुछ शब्द बोलें फिर उनके हिंदी रूप यानी तद्भव शब्द छात्रों से जानें।

❖ रचना या बनावट के आधार पर रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्दों को बनाना तथा उनका प्रयोग समझाएँ। इन शब्दों का अंतर भी स्पष्ट करें। छात्रों से कुछ शब्दों का प्रकार जानें।

❖ व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर शब्द भेद बताते हुए विकारी-अविकारी शब्दों के बारे में बताएँ।

❖ समझाएँ, जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे अविकारी शब्द होते हैं तथा जिन शब्दों पर लिंग, वचन, कारक का प्रभाव पड़ता है, वे विकारी शब्द होते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि विकारी शब्द हैं तथा क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक आदि अव्यय या अविकारी शब्द हैं।

❖ अर्थ के आधार पर विलोम, पर्यायवाची, अनेकार्थी, एकार्थी आदि सार्थक शब्दों के

बारे में बताएँ।

❖ बीच-बीच में छात्रों से पूछते रहें कि वे विषय को भली-भाँति समझ पा रहे हैं या नहीं।

❖ प्रयोग के आधार पर शब्दों के प्रकार– सामान्य शब्द तथा तकनीकी शब्दों के बारे में समझाएँ। उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें।

❖ 'अब तक हमने सीखा' के अंतर्गत दिए बिंदुओं द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ।